IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Science, Engineering, Management and Humanities (ICLTSEMH -2025)
19th January, 2025, Noida, India.

CERTIFICATE NO : ICLTSEMH /2025/C0125212

उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तनों का स्वास्थ्य पर प्रभाव

Kunvar Vishal Pratap Yadav

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, वायु प्रदूषण और जल संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, जो जनस्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी रोगों की घटनाएँ बढ़ रही हैं। अनियमित वर्षा और जलभराव से मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और अन्य जलजनित रोगों का प्रसार हो रहा है। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के संक्रमण जैसी श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। इसके अलावा, कृषि उत्पादन में गिरावट के कारण कुपोषण की समस्या भी गंभीर हो रही है, विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं में। मानसून की अनिश्चितता और प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते खतरे से मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ा है, जिससे तनाव, अवसाद और चिंता के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने, स्वच्छ जल की उपलब्धता बढ़ाने, जलवायु अनुकूल नीतियों को लागू करने और लोगों में जागरूकता फैलाने से इन स्वास्थ्य समस्याओं को कम किया जा सकता है। सतत स्वास्थ्य प्रबंधन और आपदा निवारण उपाय अपनाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नियंत्रित किया जा सकता है।